H.E. SHKA. SHAIKHA ALI JABER AL-SABAH

H.E. Shka. Shaikha Ali Jaber Al-Sabah is the founder of Daratma for Yoga Education, Kuwait's first officially licensed yoga studio. She is a lifelong meditator and yoga practitioner. A humanitarian, she has dedicated her life to serving her family, community and the world and has been working for bridging cultures and bringing people together through her many charitable endeavors.

2. Born on 8th November, 1976, Shka. Shaikha Al-Sabah's lifelong mission is her advocacy for wellness, particularly through meditation and cultivating awareness. She is credited with establishing Kuwait's first licensed yoga studio in 2014, Daratma. The studio's name combines the Arabic word Dar (home) and Sanskrit Atma (soul), symbolizing a home for the soul and reflecting a cultural bridge between Kuwait and India. A pioneer in wellness education in the country, her efforts led Kuwait's Ministry of Commerce & Industry to introduce an official yoga education license, a policy change that made wellness instruction a formally recognized and accessible enterprise in Kuwait. This milestone not only legitimized wellness studios but also integrated holistic health into the fabric of Kuwait's educational and commercial regulations. Her pioneering efforts have paved the way for other practitioners and teachers to open their own legally recognized studios, fostering the growth of the wellness industry in Kuwait.

3. Beyond studio teaching, Shka. Shaikha Al-Sabah has focused on youth wellness education. In 2015, she co-founded the Shems Youth Yoga program, helping develop a curriculum for children aged 0-14 to learn mindfulness and self-awareness. Through this same initiative, she spearheaded local relief efforts during the COVID-19 pandemic by distributing educational supplies to underprivileged children in Kuwait, aiding students to continue their learning despite school disruptions.

4. Shka. Shaikha Al-Sabah is well known for being at the forefront of wellness promotion in the Gulf, fostering greater awareness of holistic health and strengthening cultural ties between India and Kuwait. Prime Minister Shri Narendra Modi personally met her and commended her efforts during his visit to Kuwait in December 2024. Government of India announced in January 2025 to confer upon her the Padma Shri award for her distinguished service in promoting wellness. She is the first Kuwaiti national ever to receive a Padma award.

महामहिम शेखा शैखा अली जाबर अल–सबाह

महामहिम शेखा शैखा अली जाबर अल–सबाह योग शिक्षा के लिए कुवैत का पहला आधिकारिक तौर पर लाइसेंस प्राप्त योग स्टूडियो, दरात्मा की संस्थापक हैं। वह आजीवन ध्यानी और योग अभ्यासी हैं। मानवतावादी के रूप में, उन्होंने अपना जीवन अपने परिवार, समुदाय और दुनिया की सेवा के लिए समर्पित कर दिया है और अपने कई धर्मार्थ प्रयासों के माध्यम से संस्कृतियों को जोड़ने और लोगों को एक साथ लाने के लिए काम कर रही हैं।

2. 8 नवंबर 1976 को जन्मी, शेखा शैखा अल–सबाह का आजीवन मिशन विशेष रूप से ध्यान और जागरूकता के माध्यम से आरोग्यता की पैरवी करना है। उन्हें वर्ष 2014 में कुवैत के पहले लाइसेंस प्राप्त योग स्टूडियो, दारात्मा की स्थापना का श्रेय प्राप्त है। स्टूडियो का नाम अरबी शब्द दर (घर) और संस्कृत शब्द आत्मा (आत्मा) को जोड़ कर बनाया गया है, जो आत्मा के घर का प्रतीक है और कुवैत एवं भारत के बीच सांस्कृतिक सेतु को दर्शाता है। अपने देश में आरोग्य शिक्षा की अग्रणी के रूप में, उनके प्रयासों से कुवैत के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने आधिकारिक योग शिक्षा लाइसेंस शुरू किया। यह एक ऐसा नीतिगत परिवर्तन था जिसने कुवैत में आरोग्य शिक्षा को औपचारिक रूप से मान्यता प्राप्त और सुलभ उद्यम बना दिया। इस महत्त्वपूर्ण उपलब्धि ने न केवल आरोग्य स्टूडियो को वैधता प्रदान की बल्कि समग्र स्वास्थ्य को कुवैत के शैक्षिक और व्यावसायिक विनियमों के साथ एकीकृत भी किया। उनके अग्रणी प्रयासों ने अन्य चिकित्सकों और शिक्षकों के लिए स्वयं के कानूनी रूप से मान्यता प्राप्त स्टूडियो खोलने का मार्ग प्रशस्त किया है, जिससे कुवैत में आरोग्य उद्योग के विकास को बढ़ावा मिला है।

3. स्टूडियो शिक्षण से परे, शेखा शैखा अल–सबाह ने युवा आरोग्य शिक्षा पर ध्यान केंद्रित किया है। वर्ष 2015 में, उन्होंने शेम्स यूथ योग कार्यक्रम की सह–स्थापना की, जिससे 0–14 वर्ष की आयु के बच्चों को सचेतना और आत्म–जागरूकता के बारे में सीखने के लिए पाठ्यक्रम विकसित करने में मदद मिली। इसी पहल के माध्यम से, उन्होंने कोविड–19 महामारी के दौरान कुवैत में वंचित बच्चों को शैक्षिक आपूर्ति वितरित करके स्थानीय राहत प्रयासों का नेतृत्व किया, जिससे छात्रों को स्कूल शिक्षा में व्यवधान के बावजूद अपनी शिक्षा जारी रखने में मदद मिली।

4. शेखा शैखा अल–सबाह खाड़ी क्षेत्र में आरोग्य संवर्धन में अग्रणी रूप से कार्य करने, समग्र स्वास्थ्य के बारे में अधिक जागरूकता लाने और भारत तथा कुवैत के बीच सांस्कृतिक संबंधों को सुदृढ़ करने के लिए जानी जाती हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने दिसंबर 2024 में कुवैत की अपनी यात्रा के दौरान व्यक्तिगत रूप से उनसे मुलाकात की और उनके प्रयासों की सराहना की। भारत सरकार ने जनवरी 2025 में आरोग्य संवर्धन में उनकी विशिष्ट सेवा के लिए उन्हें पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा की। वह पद्म पुरस्कार पाने वाली पहली कुवैती नागरिक हैं।